सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

नया अभ्यासक्रम जून 2009 से

तृतीय वर्ष कला (बी.ए.भाग-3)

हिंदी (स्पेशल) प्रश्नपत्र क्र. 4

विशेष लेखक (Special Author) संजीव

अध्यापन : 2009-10, 2010-11, 2011-12

परीक्षाएँ : 2010, 2011, 2012

✵ उद्देश्य :

1. लेखक की बहुमुखी प्रतिभा से परिचित कराना।
2. लेखक के साहित्यिक स्थान को निर्धारित करना।
3. लेखक के साहित्य से परिचित कराना।
4. लेखक के निर्धारित ग्रंथों का सूक्ष्म आलोचनात्मक अध्ययन करना।
5. लेखक की विचारधारा से परिचित कराना।
6. दलित एवं आदिवासी विमर्श से परिचित कराना।

✵ अध्ययनार्थ विषय :

1. संजीव के कथा साहित्य में दलित-आदिवासी विमर्श
2. संजीव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
3. कहानीकार संजीव
4. उपन्यासकार संजीव

✵ पाठ्यपुस्तकें :

1. दस प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी संग्रह)

   किताबघर प्रकाशन, 24 अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 111002 संस्करण-2003, मूल्य रु 45/- (केवल 'अपराध' कहानी अध्ययन के लिए नहीं है।)
2. पाँव तले की दूब (उपन्यास)

वाग्देवी प्रकाशन, विनायक शिखर, नियर पॉलिटेक्निक कॉलेज, बीकानेर, 334003, मूल्य 30/- रु.

✵ प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	
	अ) बहुविकल्पी दस प्रश्न	10
	आ) एक वाक्य में उत्तर के दस प्रश्न	10
प्रश्न. 2	'कहानी संग्रह' संग्रह पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 3	उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4	**टिप्पणियाँ (6 में से 4)**	
	अ) 'कहानी संग्रह' पर 2 और लेखक परिचय पर-1 (3 में से 2)	10
	आ) उपन्यास पर 2 और लेखक परिचय पर-1 (3 में से 2)	10
प्रश्न 5	**ससंदर्भ व्याख्या**	
	अ) 'कहानी संग्रह' पर ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10
	आ) उपन्यास पर ससंदर्भ व्याख्या (3 में से 2)	10
	कुल अंक	100

☞ **संदर्भ ग्रंथ सूची :**

1. संजीव : संजीव की कहानियाँ (तीन खंड) वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली, 110002
2. गोपाल राय - हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी मार्ग, नई दिल्ली 110002
3. गोपाल राय -हिंदी कहानी का इतिहास , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. संपादक, डॉ. गिरीश काशिद- कथाकार संजीव, शिल्पायन, 10295, लेन नं. 1, वैस्ट गोरखपार्क शाहदरा, दिल्ली-110032
5. संपादक, विभूतिनारायण राय - कथा-साहित्य के सौ बरस, शिल्पायन, दिल्ली
6. संपादिका, रमणिका गुप्ता- आदिवासी लोक, शिल्पायन , दिल्ली.
7. संपादक ज्ञानरंजन-पहल : पुस्तिका (कथा समय-दो) फरवरी-2000, 101, रामनगर, आधारतल, जबलपुर-4
8. भारतीय लेखक- अप्रैल- जून 2007, (विशिष्ट लेखक संजीव) डी-180, सेक्टर 10, नोएडा- 201301
9. 'काला हीरा' टेलीफिल्म-जी टी वी
10. तहलका हिंदी डॉट कॉम
11. डॉ. शहाजहान मणेर-सामाजिक यथार्थ और कथाकार संजीव,श्रृति पब्लिकेशन्स, ज्योतिनगर, जयपुर-502005
12. संपादक, राघव आलोक-दस्तक, जनवरी-मार्च 2004, (आदिवासी विशेषांक)
13. संपादिका, रमणिका गुप्ता युध्दरत आम आदमी (आदिवासी विशेषांक)

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
तृतीय वर्ष कला (बी.ए.भाग-3)
हिंदी (स्पेशल) प्रश्नपत्र क्र. 5
साहित्यशास्त्र और समालोचना

अध्यापन : 2009-10, 2010-11, 2011-12

परीक्षाएँ : 2010, 2011, 2012

✵ **उद्देश्य :**

1. साहित्य की निर्मिति, उसका स्वरूप तथा उसकी सार्थकता का बोध कराना।
2. काव्य के विविध अंगों का सामान्य परिचय कराना।
3. साहित्य को समग्रता से समझने हेतु भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य सिध्दांतों और समालोचना के विविध रूपों का परिचय कराना।
4. साहित्य की नवीन विधाओं का परिचय कराना।

✵ **अध्ययनार्थ विषय :**

क) अ) साहित्य- 1) परिभाषा 2) तत्त्व 3) प्रेरणा
4) प्रयोजन (भारतीय और पाश्चात्य)

आ) शब्द-शक्ति- 1) स्वरूप
2) शब्द-शक्ति के भेद-अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामान्य परिचय।

ख) काव्य भेद- 1) महाकाव्य (भारतीय और पश्चिमी तत्त्व)
2) खंडकाव्य
3) प्रगीत और उसके भेद

ग) साहित्य के उपकरण-
1) बिंब विधान 2) मिथक 3) प्रतीक 4) फंतासी का सामान्य परिचय

घ) 1) नाटक के पाश्चात्य तत्त्व
2) उपन्यास- परिभाषा और तत्त्व
3) निबंध- परिभाषा और तत्त्व

ड्.) आलोचना-

1) आलोचना की परिभाषा, स्वरूप, प्रकार- व्याख्यात्मक, तुलनात्मक

2) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : सामान्य परिचय

3) स्त्री विमर्श: सैध्दांतिक परिचय

4) आलोचक के गुण

च) रस

1) रस की परिभाषा, 2) रस के अंगों का सामान्य परिचय 3) रस के भेद- शृंगार, वीर और करूण

छ) आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, साक्षात्कार, रेखाचित्र, रिपोर्ताज का सामान्य परिचय

ज) अ) अलंकार

1) शब्दालंकार- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

2) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति.

(परिभाषा और उदाहरण अपेक्षित है, उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं है)

आ) छंद-

1) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई, गीतिका

2) वर्णिक छंद- इंद्रव्रजा, वसंततिलका, शिखरिणी, मंदाक्रांता.

(लक्षण तथा उदाहरण अपेक्षित है, उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं है।)

✱ प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	
	अ) बहुविकल्पी दस प्रश्न :	10
	आ) एक वाक्य में उत्तर के दस प्रश्न	10
प्रश्न. 2	'क'और 'ख' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 3	'घ' और 'च' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4	'ग', 'ड्.' तथा 'छ' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	20
प्रश्न 5	'ज' विभाग पर टिप्पणियाँ	
	अ) अलंकार (3 में से 2)	10
	आ) छंद (3 में से 2)	10
	कुल अंक	100

☞ संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दांत भाग- 1, 2 - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. तेजपाल चौधरी
5. साहित्यशास्त्र : डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
7. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - शंभुनाथ पांडेय
8. साहित्यशास्त्र - डॉ. संजय नवले (दिव्य प्रकाशन, कानपुर)
9. हिंदी का साहित्यशास्त्र - (संपादक) डॉ रामकृष्ण कौशिक, डॉ. कृष्णचंद्र गुप्त
10. साहित्य विवेचन - सुमन मल्लिक
11. काव्य के तत्त्व - देवेंद्रनाथ शर्मा
12. दलित साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार लिंबाळे
13. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. अब्राह्मणी साहित्याचे सौंदर्यशास्त्र - शरद पाटील (मराठी)
15. भारतीय साहित्यशास्त्र- डॉ. विठ्ठल भालेराव, अभिजित प्रकाशन, लातुर
16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रा. लि.,जी.17 जगतपुरी दिल्ली

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

तृतीय वर्ष कला (बी.ए.भाग-3)

हिंदी (स्पेशल) प्रशनपत्र क्र. 6

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन 2000 तक)

अध्यापन : 2009-10, 2010-11, 2011-12

परीक्षाएँ : 2010, 2011, 2012

✷ **उद्देश्य :**

1. हिंदी साहित्य की दार्शनिक पूर्वपीठिका से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन।
3. हिंदी साहित्य के इतिहास की कालजयी रचना तथा रचनाकारों का सामान्य परिचय।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरूप्र विकास का अद्यतन अध्ययन।

✷ **अध्ययनार्थ विषय :**

क) 1) हिंदी साहित्य की दार्शनिका पूर्वपीठिका- वैदिक दर्शन, जैन दर्शन, बौध्द दर्शन, चार्वाक दर्शन तथा इस्लाम दर्शन का सामान्य परिचय।

2) हिंदी साहित्य का कालविभाजन तथा नामकरण।

ख) आदिकाल-

1. रासो काव्य की विशेषताएँ।
2. प्रतिनिधि रचनाएँ एवं रचनाकारों का परिचय।
3. **रचनाएँ-** पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो।
4. **रचनाकार-** अमीर खुसरो, विद्यापति।

ग) भक्तिकाल-

1. निर्गुण तथा सगुण काव्यधारा।
2. भक्तिकाल की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय- ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेमाश्रयी शाखा, रामभक्ति शाखा, कृष्ण-भक्ति शाखा और उनकी विशेषताएँ।
3. प्रमुख रचनाकारों एवं रचनाओं का सामान्य परिचय-

कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, तुलसीदास, रैदास, मीराँबाई , पद्मावत, भ्रमरगीत सार, रामचरितमानस, विनय-पत्रिका

घ) रीतिकाल :

1. राजनीतिक, सामाजिक परिस्थितियाँ (संक्षेप में)।
2. रीतिकाव्य की विशेषताएँ।
3. प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय: केशवदास, भूषण, बिहारी, घनानंद।

ड.) आधुनिक काल :

1) अ) आधुनिक हिंदी साहित्य की दर्शनिक पृष्ठभूमि : गांधीवाद, फुले-अंबेडकरवाद, मार्क्सवाद, फ्रायड का मनोविश्लेषण वाद

आ) राजनीतिक , सामाजिक, परिस्थितियाँ (संक्षेप में)।

आधुनिक साहित्य का परिचय :

अ) पद्य : निम्नलिखित काव्यधाराओं के विकास का संक्षिप्त परिचय। छायावादी काव्यधारा, प्रगतिवादी काव्यधारा, प्रयोगवादी, काव्यधारा, हिंदी स्त्रीवादी कविता, हिंदी दलित कविता।

आ) गद्य : निम्नलिखित गद्य विधाओं के विकास का संक्षिप्त परिचय।

उपन्यास, नाटक, निबंध, आत्मकथा।

इ) निम्नलिखित साहित्यकारों का परिचय :

कवि : दिनकर, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, अज्ञेय, धूमिल, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

गद्यकार : प्रेमचंद, जैनेंद्र, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मैत्रेयी पुष्पा।

✵ प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	
	अ) बहुविकल्पी दस प्रश्न	10
	आ) एक वाक्य में उत्तर के दस प्रश्न	10
प्रश्न. 2	'ग' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 3	'ङ.' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4	'क' और 'ख' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	20
	('क' विभाग पर दो और 'ख' विभाग पर दो)	
प्रश्न 5	'घ' और 'ङ' विभाग पर टिप्पणियाँ (6 में से 4)	20
	('घ' विभाग पर तीन और 'ङ' विभाग पर तीन)	
	कुल अंक	100

☞ **संदर्भ ग्रंथ सूची :**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ- डॉ. शिवकुमार शर्मा
3. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ. जयकिशन खंडेलवाल
4. हिंदी साहित्य- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास- राजनाथ शर्मा
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. बच्चन सिंह
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
9. हिंदी साहित्य का इतिहास- नगेंद्र
10. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपतिचंद्र गुप्त
11. हिंदी साहित्य कोश- डॉ. धीरेंद्र वर्मा खंड 1, 2
12. हिंदी साहित्य का सही इतिहास- डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
13. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. माधव सोनटक्के
14. हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1 व 2)- श्री शरण (प्रेम प्रकाशन, दिल्ली)
15. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास- खण्ड 1 (सं) राजबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
16. हिंदी साहित्य का सही इतिहास- डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
17. हिंदी भाषा एवं साहित्य विश्वकोश- खण्ड 1,2 व 3 डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त ॲटलांटिक पब्लिशर्स ॲण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स 43/46 अंसारी रोड, दरियागंज। दिल्ली
18. संस्कृति के चार अध्यायन-रामधारी सिंह दिनकर
19. हिंदी साहित्य कोश- संपादक धीरेंद्र वर्मा भाग-1 ज्ञानचंद्र लि. वाराणसी
20. भारतीय दर्शन- संपा. डॉ. न.की. देवराज : उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान गांधी मार्ग, लखनऊ

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
तृतीय वर्ष कला (बी.ए.भाग-3)
हिंदी (स्पेशल) प्रश्नपत्र क्र. 7
प्रयोजनमूलक हिंदी

अध्यापन : 2009-10, 2010-11, 2011-12

परीक्षाएँ : 2010, 2011, 2012

✵ उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, एवं स्वरूपगत विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
2. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना।
3. हिंदी के प्रयोग के प्रति रुचि जगाकर उनमें पत्राचार संबंधी क्षमता का विकास कराना।
4. कार्यालयीन पत्राचार से छात्रों को अवगत कराना।
5. अनुवाद के अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकारों से छात्रों को परिचित कराना।
6. व्यावहारिक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

✵ अध्ययनार्थ विषय :

क) प्रयोजनमूलक हिंदी: अर्थ, परिभाषा, एवं स्वरूपगत विशेषताएँ।

ख) जनसंचार माध्यम-

अ) दैनिक समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ- मुद्रित भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन के तत्त्व, समाचार के प्रकार, समाचार लेखक के गुण।

आ) इलैक्ट्रॉनिक माध्यम-

रेडियो और टेलीविजन- रेडियो की भाषा प्रकृति, रेडियो समाचार लेखन एवं वाचन,

टेलीविज़न की भाषा प्रकृति, टेलीविज़न के लिए पटकथा लेखन (तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं है।)

ग) पत्राचार :

अ) कार्यालयीन पत्राचार :

1. नौकरी के लिए आवेदनपत्र।
2. पदाधिकारियों के नाम पत्र।
3. अधिसूचना।
4. कार्यालय आदेश।

आ) वाणिज्य पत्राचार

1. पूछताछ पत्र।
2. क्रयादेश पत्र।
3. भुगतान पत्र।
4. संदर्भ पत्र।

घ) अनुवाद :

1. अनुवाद का अर्थ और परिभाषा।
2. अनुवाद का स्वरूप।
3. अनुवाद के प्रकार।
4. अनुवादक के गुण।
5. सफल अनुवाद की विशेषताएँ।

ड.) व्यक्तित्त्व विकास-

1. व्यक्तित्त्व का अर्थ, परिभाषा एवं व्यक्तित्व विषयक गलत धारणाएँ।
2. व्यक्तित्त्व के विभिन्न पक्ष।
3. व्यक्तित्त्व की सामान्य विशेषताएँ।
4. व्यक्तित्त्व विकास- प्रभावित करनेवाले घटक।
5. व्यक्तित्त्व विकास के आधार एवं प्रगल्भ व्यक्तित्व विकास के तत्त्व।

च) पारिभाषिक शब्दावली-

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों एवं पदनामों के हिंदी पर्यायवाची शब्द (100) (परिशिष्ट)

✷ प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	
	अ) 'च' विभाग पर दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
	आ) एक वाक्य में उत्तर के दस प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	10
प्रश्न. 2	'ख' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 3	'घ' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4	अ) 'ग' (अ) विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	10
	आ) 'ग' (आ) विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	10
प्रश्न 5	'क' और 'ड.' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (चार मे से दो)	20
	('क' विभाग पर केवल1 प्रश्न पूछा जाए)	
	कुल अंक	100

☞ संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य- डॉ रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपुर
3. मीडिया लेखन- सिध्दांत और व्यवहार- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन दिल्ली.
4. प्रयोनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर.
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन, औरंगाबाद
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. के. पी. शहा, फडके प्रकाशन, कोल्हापुर
7. अनुवाद विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली.
8. अनुवाद चिंतन - डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर
9. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. पत्रकारिता के सिध्दांत : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली
11. पत्रकारिता विविध विधाएँ : डॉ राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. मीडियाकालीन हिंदी- स्वरूप एवं संभावनाएँ, डॉ अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
13. मराठी विश्वकोश- खंड 17 (व्यक्तित्व)
14. माध्यमिक मानसशास्त्र- बुरूडे, देशपांडे, गो.य.राणे प्रकाशन, पुणे
15. मानसशास्त्राची मूलतत्त्वे- पंडित र.वि., विद्या प्रकाशन, नागपुर
16. व्यक्तित्व विकास भाग-1,2,3 कुलसचिव, य.च.म.मु.विद्यापीठ, नाशिक.
17. समृध्द व्यक्तिमत्त्वासाठी स्वयं विकास- अरविंद खानोलकर, महाराष्ट्र विवेक वाहिनी

हिंदी स्पेशन (प्रश्नपत्र क्रमांक 7)

प्रयोजनमूलक हिंदी

परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली :

अ) जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द :		
1.	Announcer	निवेदक / उद्घोषक
2.	Artistic	कलात्मक
3.	Audio-Visual	दृक-श्राव्य
4.	Banner	पताका
5.	Biographer	जीवनीकार
6.	Biweekly	अर्ध साप्ताहिक
7.	Bulletin	विज्ञप्ति
8.	Catalogue	सूची
9.	Calligraphy	सुलेखन
10.	Caption	शीर्षक / चित्र परिचय
11.	Cartoonist	व्यंग्य चित्रकार
12.	Choreography	नृत्य रचना
13.	Columnist	स्तंभलेखक
14.	Commentator	समालोचक
15.	Compositer	अक्षर योजक
16.	Communication	संचार
17.	Creation	सृजन
18.	Correspondent	संवाददाता
19.	Information technology	सूचना तंत्रज्ञान
20.	Interview	साक्षात्कार
21.	Interruption	रुकावट
22.	Journalist	पत्रकार
23.	Magazine	पत्रिका
24.	Source Language	स्रोत भाषा
25.	Transliteration	लिप्यंतरण

ब) शिक्षा, सभा और संमेलन संबंधी शब्द :		
1.	Abstract	सार/संक्षेप
2.	Academic goal	शैक्षिक ध्येय
3.	Address	अभिभाषण / संबोधन
4.	Adult education	प्रौढ शिक्षा
5.	Agenda	कार्यसूची
6.	Anniversary	जयंती / वर्षगाँठ
7.	Anthology	संकलन / संग्रह
8.	Appraisal	मूल्यांकन
9.	Attestation	साक्षांकन / अनुप्रमाणन
10.	Audience	श्रोतागण
11.	Autonomous	स्वायत्त
12.	Bibliography	संदर्भ-ग्रंथ सूची
13.	Bachelor	स्नातक
14.	Closing speech	समापन भाषण
15.	Conference Hall	सम्मेलन भवन
16.	Conclusion	समापन
17.	Document	दस्तावेज
18.	Draft	प्रारूप / मसौदा
19.	Guardian	अभिभावक
20.	Humanity	मानविकी
21.	Hypothesis	परिकल्पना
22.	Inauguration	उद्घाटन
23.	Informal	अनौपचारिक
24.	Symposium	संगोष्ठि
25.	Viva-Voce	मौखिक परीक्षा

क) कार्यालय तथा बैंक संबंधी शब्द :		
1.	Acknowledgement	रसीद
2.	Accidental Profit	आकस्मिक लाभ
3.	Account	खाता
4.	Act	अधिनियम
5.	Acceptance	स्वीकृति
6.	Advances	अग्रिम राशि
7.	Ad hoc	तदर्थ
8.	Article	अनुच्छेद
9.	Audit	लेखी परीक्षण
10.	Bridge Loan	पूरक ऋण
11.	Boom	तेजी
12.	Cash Credit	नकदी ऋण / नगदी ऋण
13.	Constitution	संविधान
14.	Counter foil	आधी रसीद
15.	Envelope	लिफाफा
16.	Eraser	रबर
17.	Ex-gratia	अनुग्रहपूर्वक
18.	Growth rate	वृदधि दर
19.	Ledger	लेखा वही
20.	Modus-operandi	कार्यप्रणाली
21.	Promotion	पदोन्नति
22.	Stamp-Seal	मुहर
23.	Status-quo	यथास्थिति
24.	Tentative	अंतरिम
25.	Top-priority	सर्वोच्च प्राथमिकता

ड) पदनाम संबंधी शब्द :		
1.	Accountant	लेखाकार
2.	Adviser	सलाहकार
3.	Advocate	अधिवक्ता
4.	Cashier	रोकडिया / खजांची
5.	Custodian	अभिरक्षक
6.	Councillor	पार्षद
7.	Director	निदेशक
8.	Executive Engineer	कार्यकारी अभियंता
9.	Foreign secretary	विदेश सचिव
10.	Governor	राज्यपाल
11.	His Majesty	महामहिम
12.	Investigator	अन्वेषक
13.	Manager	प्रबंधक
14.	Member of Legislative Assembly	विधायक / विधानसभा सदस्य
15.	Member of Parliament	सांसद / संसद सदस्य
16.	President	राष्ट्रपति
17.	Prime Minister	प्रधान मंत्री
18.	Registrar	कुलसचिव
19.	Speaker	सभापति
20.	Stenographer	आशुलिपिक
21.	Superintendent	अधीक्षक
22.	Treasurer	कोषाध्यक्ष
23.	Under secretary	अवर सचिव
24.	Vice-Chancellor	कुलपति
25.	Warden	रक्षक

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
तृतीय वर्ष कला (बी.ए.भाग-3)
हिंदी (स्पेशल) प्रश्नपत्र क्र. 8
भाषाविज्ञान

अध्यापन : 2009-10, 2010-11, 2011-12
परीक्षाएँ : 2010, 2011, 2012

✱ **उद्देश्य :**

1. **भाषा के विविध रुपों का परिचय कराना ।**
2. **भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना ।**
3. **हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्‌भव और विकास का परिचय कराना।**
4. **भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना।**
5. **मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना ।**

अध्ययनार्थ विषय

विभाग : क

1. भाषा की परिभाषाएँ एवं उसकी विशेषताएँ।
2. भाषा के विविध रूप : बोली, विभाषा, परिनिष्ठित भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा।
3. भाषा विकास और उसके प्रमुख वाद : शारीरिक विभिन्नतावाद भौगोलिक विभिन्नतावाद, सांस्कृतिक विभिन्नतावाद एवं प्रयत्न लाघव
4. हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति एवं हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
5. हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय-ब्रज अवधी, मैथिली, भोजपुरी, दाक्खिनी, खड़ी बोली ।
6. हिंदी का शब्दसमूह- तत्सम, अर्धतत्सम, तद्‌भव, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय।
7. देवनागरी लिपि का संक्षेप में विकास एवं उसकी विशेषताएँ।

विभाग : ख

8. भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ , भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व, भाषा विज्ञान के अंग, भाषा विज्ञान की व्याकरण से तुलना।
9. ध्वनि विज्ञान-ध्वनि का अर्थ, भाषा ध्वनि, ध्वनियंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया) ध्वनिगुण।
10. पद विज्ञान- शब्द और पद, पद और संबंध तत्त्व, संबंध तत्त्व के प्रकार।

11. अर्थ विज्ञान- शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के प्रमुख कारण।
12. वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषाएँ, वाक्य की आवश्यकताएँ, अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार।

✱ प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न. 1	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	
	अ) बहुविकल्पी दस प्रश्न	10
	आ) एक वाक्य में उत्तर के दस प्रश्न	10
प्रश्न. 2	'क' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 3	'ख' विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 4	'क' और 'ख' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	20
	('क' विभाग पर 2 और 'ख' विभाग पर 2)	
प्रश्न 5	'क' और 'ख' विभाग पर टिप्पणियाँ (6 में से 4)	20
	('क' विभाग पर तीन और 'ख' विभाग पर तीन)	
	कुल अंक	100

✱ संदर्भग्रंथ सूची :

1. सामान्य भाषा विज्ञान- डॉ. बाबूराव सक्सेना
2. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
6. आधुनिक भाषा विज्ञान- डॉ. राजमणि शर्मा
7. भाषा विज्ञान- शिवबालक चतुर्वेदी
8. हिंदी भाषा, राजभाषा और नागरी लिपि- डॉ. परमानंद पांचाळ
9. भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय- डॉ. ज्ञानराज गायकवाड